।। ओ३म् ।।

सरल आध्यात्मिक शिविर

स्थान .... तिथि ....

व्रत-पत्र

आदरणीय स्वामी विवेकानन्द जी !

सादर नमस्ते ! मैं .... ईश्वर को साक्षी मानकर निम्नलिखित गुणों को धारण करता हूँ और निम्नलिखित दोषों को छोड़ता हूँ।

धारण करने योग्य गुण -

१. प्रातः जागरण (सूर्योदय से पूर्व)।
२. व्यायाम, आसन, भ्रमण (प्रतिदिन)।
३. प्रतिदिन दोनों समय उपासना करना।
४. दैनिक/साप्ताहिक/पाक्षिक यज्ञ करना।
५. प्रतिदिन स्वाध्याय करना।
६. सत्संग में नियमित रूप से जाना।
७. वैदिक धर्म के प्रचार में यथाशक्ति दान देना।
८. व्यवहार में सत्य का पालन करना।
९. यथाशक्ति ब्रह्मचर्य का पालन करना।
१०. बच्चों को धार्मिक बातें सिखाना।

छोड़ने योग्य दोष -

१. क्रोध नहीं करना।
२. झूठ नहीं बोलना।
३. चोरी नहीं करना।
४. अभिमान नहीं करना।
५. ईर्ष्या-द्वेष नहीं करना।
६. निन्दा चुगली नहीं करना।
७. कठोर वाणी नहीं बोलना।
८. चाय, काफी, शराब आदि नशीली वस्तुओं का सेवन नहीं करना।
९. मांस, अण्डे का सेवन नहीं करना।
१०. आलस्य, प्रमाद नहीं करना।

नाम - ....

आयु - .... योग्यता - .... व्यवसाय - ....

पता - ....

....

....

फोन नं. - (मो.) .... (घर) ....

(कार्यालय) ....

हस्ताक्षर

....

प्रति-

स्वामी विवेकानन्द जी परिव्राजक,
दर्शन योग महाविद्यालय, आर्य वन, रोजड़,
पत्रा.-सागपुर, जि.-साबरकांठा (गुजरात)
पिन-३८३३०७. दूरभाष-(०२७७०)२८७४१७, २५७२२४.
E-mail : swavivekanand@yahoo.com

नोट - शिविर के अनुभव कृपया इस पृष्ठ की पिछली ओर लिखें।